राधाकमलमुकर्जी : चिन्तनपरम्परा

वर्ष10 अंक 2 जुलाई–दिसम्बर 2008

1.''प्राचीन भारत और यूनान : सांस्कृतिक संबंध''–प्रोफेसर उदय प्रकाश अरोड़ा,प्रोफेसर ग्रीक चेयर, स्कूल आफ लैंग्विेज, लिटरेचर एण्ड कल्चरल स्टडीज, जे.एन.यू., नई दिल्ली।

2.''रामचरितमानस में सामाजिक अनुसंधान प्रक्रिया समझने की संभावनाएं''– प्रोफेसर ब्रजराज चौहान,बिजिटिंग फैलो, गोबिन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद (उ.प्र.)।

3.''एच आई वी की रोकथाम मे ंसमाजशास्त्र''–प्रोफेसर ए.के. शर्मा, प्रोफेसर समाजशास्त्र, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर (उ.प्र.)।

4.''गोस्वामी तुलसीदास की जन्मभूमि–राजापुर, गोंडाः एक समाजशास्त्रीय परिप्रेक्षण''–प्रोफेसर बंशीधर त्रिपाठी,से. नि. प्रोफेसर समाजशास्त्र विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)।

5.''महिला सशक्तिकरण की अवधारणा''–प्रोफेसर एस. सी. अरोड़ा, प्रोफेसर लोक प्रशासन विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा), सुरेश कुमार सैनी,शोधकर्ता, लोक प्रशासन विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)।

6.''भारतीय जाति व्यवस्था एवं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर का तार्किक प्रहार''–प्रोफेसर ए. एल. श्रीवास्तव,से. नि. प्रोफेसर, समाजशास्त्र काशी हिन्द ूविश्वविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)।

7.''राष्ट्रीय आन्दोलन में वैज्ञानिको ंकी भूमिका''–प्रोफेसर अर्जुन सिंह, से. नि. प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग, जगदम महाविद्यालय, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा (बिहार),डा. नन्दनकुमार, इतिहास विभाग, जगदम महाविद्यालय छपरा (बिहार)।

8.''वृद्धावस्था : समस्याएँ एवं समायोजन''–प्रोफेसर के.पी. सिंह, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.), डॉ. ज्योति प्रकाश अरोड़ा, अतिथि शिक्षक, समाजशास्त्र विभाग, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.)।

9.''भारतीय ग्राम : अस्मिता का संकट''–प्रोफेसर श्यामधर सिंह, पूर्व प्रोफेसर अपराध शास्त्र,एव समाजशास्त्र विभाग, म.गां. काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)।

10.''विश्व विद्यालय के छात्र–छात्राओं में राजनीतिक जागरुकता एव ंसहभागिता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन''–प्रोफेसर जे.पी. पचौरी, आचार्य एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र एवं समाज कार्य विभाग, हे.न.ब.ग.वि.वि., श्रीनगर, (उत्तराखण्ड), ,डॉ. जे.पी. भट्ट, प्रवक्ता समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग, हे.न.ब. ग.वि.वि., श्रीनगर

11.''धार्मिक समुदायों में लैंगिक असन्तुलन को सन्तुलित करने में शिक्षा की भूमिका''—प्रोफेसर निधि बाला, शिक्षाशास्त्र विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.), प्रतीक्षा वर्मा प्राध्यापिका (बी.एड.) एल. एम. पी. गर्ल्स पी.जी. कालेज, गोसाईगंज, लखनऊ (उ.प्र.)।

12.''संरचनावाद और लुई आल्थूसर''—प्रोफेसर गोपाल यादव, से.नि. प्रोफेसर समाजशास्त्र, पं. दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)।

13.''बाल मुकुन्द गुप्त के साहित्य में भारतीय राष्ट्रवाद''—प्रोफेसर. बी.डी. यादव, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, इतिहास विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक (हरियाणा)।

14.''भारतीय समाज में नारी अस्मिता''—प्रोफेसर जगमोहन सिंह वर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (प्राक्तन), समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)।

15.''जाति—जनजाति की पहचान के संकट के बीच घड़वाकला के बदलते आयाम''—प्रोफेसर विजय एस. सहाय, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष मानवशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.),डॉ. प्रिया श्रीवास्तव, अतिथि प्रवक्ता मानवशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उ.प्र.)।

16.''सामाजिक जीवन का विवेकीकरण''—प्रोफेसर जसपाल सिंह,से. नि. प्रोफेसर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, गुरू नानकदेव विश्वविद्यालय, अमृतसर एवं अध्यक्ष पंजाब सोशियोलाजीकल सोसायटी (पंजाब)।

17.''सामाजिक संरचना में दर्शन की भूमिका''—प्रोफेसर ए.पी. दुबे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।

18.''मध्य प्रदेश में पंचायती राज, ग्राम—स्वराज एवं ग्रामीण विकास का स्वरूप और महात्मा गाँधी के विचार''—प्रोफेसर एस. एस. भदौरिया,से. नि. आचार्य समाजशास्त्र, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।

19.''पंचायती राज संस्थाओं में महिला सहभागिता (उत्तराखण्ड के विशेष संदर्भ में)''—प्रोफेसर मुन्नी पडलिया, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग, कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)।

20.''वैश्विक आतंकवाद : कुछ विकल्प''—प्रोफेसर आर. बी. एस. वर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ (उ.प्र.)।

21.''गढ़वाल में नागपूजा के विविध आयाम''—प्रोफेसर मंजुला जुगरान, प्रोफेसर इतिहास विभाग, हे.न.ब. ग. विश्वविद्यालय पौड़ी परिसर (उत्तराखण्ड)।

22.''ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों की भूमिका का एक समाज शास्त्रीय मूल्यांकन''—प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ (उ.प्र.)।

23.''भतरा महिलाओं के स्वास्थ्य का मानव वैज्ञानिक अध्ययन (बस्तर छ.ग. के सम्बन्ध में)''—डॉ. आनंद मूर्ति मिश्रा,मानव विज्ञान विभाग, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छत्तीसगढ़), प्रोफेसर प्रीति मिश्रा, मानव विज्ञान विभाग, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छत्तीसगढ़)।

24.''महिला बन्दी : कल्याण एवं पुनर्वास के नये आयाम''—डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत ,रीडर समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।

25.''लोकतंत्र जनसंख्या वृद्धि एवं विकास के आइने में भारतीय समाज''—डॉ. रामप्रकाश, रीडर समाजशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (उ.प्र.)।

26.''डॉ. रामजी लालः एक ऐतिहासिक विश्लेषण''—डॉ. जयवीर धनखड़, रीडर, इतिहास विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)।

27.''झारखण्ड की आदिम जनजातियां : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण''—डा. गौरी शंकर सिंह, रीडर एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग, गोड्डा कालेज, गोड्डा (झारखण्ड) ।

28.''स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना : उपलब्धियाँ एवं अवरोध''—डॉ. राजेन्द्रप्रसाद सिंह,उपाचार्य, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.)।

29.''घरेलू हिंसा : एक समाज वैज्ञानिक विवेचन''—डॉ. रीता सिंह,रीडर समाजशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू., वाराणसी (उ.प्र.) ।

30.''बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व''—डॉ. रामकृष्ण जायसवाल, रीडर एवं अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग का. सु. साकेत पी.जी. कालेज, अयोध्या फैज़ाबाद (उ.प्र.)।

31.''पारिस्थितिकीय संरचना एव ंजनजातीय जीवन''—डॉ. कुमकुम मालवीय, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, वाराणसी (उ.प्र.)।

32.''भारत की सामाजिक क्रान्ति में अर्जक संघ एवं रामस्वरूप वर्मा की भूमिका''—डॉ. रामबहादुर वर्मा, प्राचार्य पं. रामेश्वर बाजपेयी स्मृति महाविद्यालय, सुल्तानपुर आइमा, मुंशीगंज, रायबरेली (उ.प्र.)।

33.''दाम्पत्य अन्तर्विरोध व उत्पीड़न''—डा. हरिप्रकाश श्रीवास्तव, उपाचार्य एवं अध्यक्ष समाजशास्त्र, लालबहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोण्डा (उ.प्र.)।

34.''जैन दर्शन में तन्त्र–विद्याः एक अध्ययन''—डॉ. अनिलेश कुमार सिंह, अध्यक्ष दर्शनशास्त्र विभाग, के. जी.के. कालेज, मुरादाबाद (उ.प्र.)।

35.''जनसंख्या समस्या एवं पर्यावरण''—डॉ. आभा सक्सेना, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, श्री अग्रसेन कन्या स्वायत्तशासी पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.)।

36.''महिला पुलिस : उदभव व विकास''—डॉ.विमलेश यादव, रीडर समाजशास्त्र विभाग, एम.एम.एच. कालेज, गाजियाबाद (उ.प्र.) ।

37.''लघुजल–विद्युत परियोजनाओं की व्यवहार्यता–साल घाटी का अध्ययन एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में''–डॉ. मोहिन्दर कुमार सलारिया, रीडर समाजशास्त्र विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चम्बा (हिमाचल प्रदेश)।

38.''बौद्धिक वर्ग के जीवन में धर्म का स्थान''–राकेश कुमार सचान, शोध अध्येता समाजशास्त्र हे.नं.ब. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड), प्रोफेसर जे.पी. पचौरी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, हे.नं.व. गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर (उत्तराखण्ड)।

39.''सामान्य विधि और शल्य क्रिया विधि द्वारा जन्मे नवजात शिशु की भोजन संबंधी आदतों का उनकी वृद्धि पर प्रभाव–एक तुलनात्मक अध्ययन''–श्रीमती श्वेता चौधरी, शोध अध्येत्री गृहविज्ञान, एम. एल.बी. गर्ल्स डिग्री कालेज, इन्दौर (म.प्र.), प्रोफेसर मुनीरा एम. हुसैन, प्रोफेसर गृहविज्ञान विभाग, एम.एल.बी. गर्ल्स डिग्री कालेज, इन्दौर (म.प्र.)।

40.''भोटिया एवं बोक्सा जनजातियों की शिक्षा एवं राजकीय सेवा में सहभागिता का तुलनात्मक अध्ययन ''–डॉ. गीता शाह, प्रवक्ता, समाजशास्त्र विभाग, राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर, चमोली। (उत्त्राखण्ड), डॉ. बी.डी. शाह, प्रवक्ता, शिक्षाविभाग, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यलाय, गोपेश्वर, चमोली (उत्त्राखण्ड)।

41.''जनसंख्या स्थिरीकरण में जनसंख्या शिक्षा की भूमिका''–डॉ. ब्रजेशकुमार सिंह, प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग मा.गां. काशी विद्यापीठ, वाराणसी (उ.प्र.) ।

42.''पुलिस आचार संहिता एवं पुलिस की भूमिका''–बजरंग बहादुर सिंह,शोध अध्येता, डी.ए.वी. (पी.जी.) कालेज आजमगढ़ (उ.प्र.), डॉ. निरंकार प्रसाद श्रीवास्तव, रीडर एवं अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.वी.(पी. जी.) कालेज आजमगढ़ (उ.प्र.)।

43.''पिछड़ी जाति के युवाओं के उभरते शैक्षिक प्रतिमान : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन''–डॉ. (श्रीमती) उषा चौधरी,11/49, के–2एच, विवेकपुरम्, शिवपुर, वाराणसी (उ.प्र.)।

44.''वैश्वीकरण के युग में पारिवारिक सम्बन्धों के परिवर्तनशील स्वरूप''–डॉ. कौशल किशोर, प्राध्यापक समाजशास्त्र (स्ववित्तपोषित) राम ललित सिंह महाविद्यालय, कैलहट, मिर्जापुर (उ.प्र.)।

45. पुस्तक समीक्षा–पुस्तक का नाम – चारों धाम एवं अन्य यात्रा–वृत्तान्त, लेखक का नाम : प्रोफेसर बंशीधर त्रिपाठी, पूर्व प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग, म.गाँ. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, समीक्षक– प्रोफेसर श्यामधर सिंह, (सेवा निवृत्त) समाजशास्त्र विभाग, म.गाँ.का. विद्यापीठ, वाराणसी

46. **पुस्तक समीक्षा**–पुस्तक का नाम – रहली तहसील का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य, लेखक का नाम :डॉ. श्याम मनोहर पचौरी, प्राध्यापक इतिहास एवं प्राचार्य –शासकीय महाविद्यालय, गढ़ाकोटा (म.प्र), समीक्षक, डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत, रीडर समाजशास्त्र विभाग, डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म. प्र.)